#Kashi Baba

1

00:00:00,038 - 00:00:02,392

baba: discussing something to someone else

2

00:00:06,925 - 00:00:07,772

baba: हर हर

3

00:00:13,899 - 00:00:15,132

हाँ महादेव

4

00:00:15,842 - 00:00:17,336

interviewer:बाबा, नमस्कार

5

00:00:17,361 - 00:00:18,122

Baba: नमस्कार भाई

6

00:00:18,496 - 00:00:24,408

interviewer: बाबा आप अपने बारे में बताएंगे, थोडा सा एक छोटा सा इंट्रोडक्शन दे दीजिए कि आपका नाम...

7

00:00:24,433 - 00:00:25,736

baba:my name is Kashi Baba

8

00:00:25,762 - 00:00:27,269

interviewer: हम हिंदी में बात करेंगे

Baba: ठीक है

9

00:00:27,362 - 00:00:33,645

Baba: हमारा नाम काशी बाबा है, हम मणिकर्णिका महाशमशान में रहते हैं,और ये हमारा कर्म है

10

00:00:34,685 - 00:00:43,538

जो भी लोग आते हैं, उनको यहाँ के विस्तार में बताते हैं जो, यहाँ क्या होता है, क्यों होता है, ये मणिकर्णिका महाशमशान है

11

00:00:44,525 - 00:00:50,751

लोग यहाँ मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं, लेकिन जिसका कर्म होता है, वही मोक्ष को प्राप्त होता है

12

00:00:51,935 - 00:00:56,548

interviewer: मोक्ष का क्या मतलब है

baba: ये महा शमशान है, कर्म की पूजा होती है यहाँ

13

00:00:58,042 - 00:01:01,382

कर्म शुद्ध ही नहीं हैं तो क्या वो मोक्ष को प्राप्त हो जाएगा, कहाँ से होगा

14

00:01:04,097 - 00:01:07,810

ये शमशान के अन्दर कर्म ही सबसे बड़ा प्रधान है

15

00:01:09,864 - 00:01:17,101

अगर कर्म शुद्ध नहीं है, तो मोक्ष कहाँ से प्राप्त होगा, उसको फिर आना है और जाना है

16

00:01:19,742 - 00:01:21,555

योनी में भटकना है

17

00:01:21,968 - 00:01:27,437

interviewer: भैया, दो मिनट के लिए शान्ति कर दीजिए , एक छोटा सा इंटरव्यू लेना है, बस दो मिनट के लिए

18

00:01:27,724 - 00:01:30,104

baba: इधर से निकल जाओ

19

00:01:30,346 - 00:01:34,039

interviewer: आप कर्म के बारे में बता रहे थे, हमें कैसे कर्म करने चाहिए ?

20

00:01:34,086 - 00:01:35,579

baba: मतलब कि आत्मा शुद्ध रखो

21

00:01:38,364 - 00:01:43,830

ये कर्म यहाँ से पैदा होता है, माया और मटेरियल से पैदा नहीं होता है

22

00:01:46,087 - 00:01:52,340

कर्म शुद्ध रखने के लिए अच्छे कर्म करने होते हैं, और जितना कर्म अच्छा करेंगे उतना हमको फल मिलेगा

23

00:01:52,642 - 00:01:54,255

interviewer: लेकिन लोग तो माया के पीछे ही भागते रहते हैं

24

00:01:54,322 - 00:02:04,034

baba: माया इसलिए क्यूंकि illusion है न वो, वो तो भारी होता जाएगा, और जैसे-जैसे भारी होता जाएगा वैसे वैसे कलयुग का प्रभाव ज्यादा पड़ता जाएगा उनके ऊपर

25

00:02:05,791 - 00:02:14,567

इसीलिए चार युग बनाए गए हैं न - सतयुग, द्वापरयुग, त्रेतायुग, कलयुग, क्यों बनाए गए, इसीलिए बनाए गए कि इसी में भटको

26

00:02:17,988 - 00:02:27,686

94 आपको दे दिए, 6 अपने पास रखे हुए हैं, क्यूँ 6 रखे हैं ? ताकि उसी में तुम लुप्त रहो

27

00:02:31,145 - 00:02:38,218

और जो उन 6 को पा जाता है, वो मोक्ष को प्राप्त होता है, तो वो 6 सबको नहीं मिलते हैं

28

00:02:40,748 - 00:02:46,988

इसके अन्दर घुसना होता है, आत्मा और परमात्मा से भेंट करनी होती है

29

00:02:47,371 - 00:02:49,965

interviewer: लेकिन जो माया है वो हमको खींचती है अपनी तरफ

30

00:02:50,338 - 00:03:00,964

baba: इसीलिए मन चंचल है, मन को क्यूँ बनाया गया है, मन चंचल है, जैसे बन्दर होता है, भटकता है, कूदता है फांदता है , ठीक इसी तरह मन चंचल है

31

00:03:01,375 - 00:03:07,788

मन भी दौड़ता है, तो मन और माया दोनों ही एक समान है, वो अपनी तरफ खींचती है

32

00:03:08,254 - 00:03:15,214

लेकिन उसको कण्ट्रोल करने के लिए उससे जूझना होता है, उससे लड़ना होता है

33

00:03:15,861 - 00:03:19,387

तब कहीं जाकर के वो पार पा सकता है, तो सब नहीं मिलता है उसको

34

00:03:20,701 - 00:03:26,554

interviewer: बाबा जो ये हिन्दू धर्म है, इस हिन्दू धर्म में बनारस की क्या विशेषता है ?

35

00:03:27,187 - 00:03:35,204

baba: बनारस में जो है रस ही रस है, यहाँ सब रस है, इसीलिए इसको कहा गया है बनारस

36

00:03:37,125 - 00:03:42,139

भगवान् शंकर जब यहाँ आए, भगवान् विष्णु जब यहाँ आए तो 60 हज़ार वर्ष इन्होने यहाँ तपस्या की

37

00:03:43,565 - 00:03:45,105

60 हज़ार वर्ष

38

00:03:45,539 - 00:03:54,083

और अपने चक्र से वो वो चक्र्पुश्करनी बनाई, मणिकर्णिका कुंड, और भगवान् विष्णु के पसीने से वो कुंड भरा हुआ है

39

00:03:55,211 - 00:04:03,396

तो माता पार्वती और भगवान् शंकर जब घूमने के लिए चले आए, भ्रमण के लिए, तब उन्होंने देखा यहाँ तो कुंड है, यहाँ तो कुछ भी नहीं था

40

00:04:06,163 - 00:04:13,429

तो भगवान् शंकर और माता पार्वती याचमन करने के लिए जाते हैं, तो शंकर भगवान् की मणि गिर जाती है, और साथ ही माता पार्वती का कुंडल

41

00:04:14,252 - 00:04:26,042

जब वो खोजने लगते हैं तो मिलता नहीं है, तो भगवान् विष्णु कहते हैं, ये श्रापित है, यहाँ कुछ ऐसा रखिए जो हिन्दू धर्म की मान्यता में बहुत बड़ी जगह बनाए

42

00:04:27,479 - 00:04:33,932

जो तीर्थ स्थलों में सबसे बड़ा तीर्थ स्थल हो, तो भगवान् शंकर ने इसका नाम रखा मणिकर्णिका घाट

43

00:04:35,449 - 00:04:41,496

मणि-कर्णिका और घाट, तो चक्रपुष्करनी का नाम मणिकर्णिका में बदल गया

44

00:04:41,752 - 00:04:45,892

तो जब भी यहाँ कोई तीर्थस्थल आता है तो सबसे बड़ा तीर्थ मणिकर्णिका है

45

00:04:46,326 - 00:04:52,386

interviewer: बोला जाता है कि भारत का सबसे बड़ा तीर्थस्थल मणिकर्णिका है

baba: हाँ, तीर्थों में तीर्थ

46

00:04:53,843 - 00:04:55,323

interviewer: क्योंकि यहाँ पर मोक्ष की प्राप्ति होती है

47

00:04:56,690 - 00:05:06,935

baba: यहाँ लोग धर्म कर्म के लिए आते हैं, इसी लिए देह संस्कार जो लोग करते हैं, जो लोग यहाँ मरने के लिए आते हैं

48

00:05:07,616 - 00:05:09,556

मोक्ष को प्राप्त करने के लिए

49

00:05:09,868 - 00:05:21,456

लेकिन बहुत से लोगों का क्या है कि आए हैं यहाँ पर मरने के लिए, और वृद्ध आश्रम में, मोक्ष भवन में या मुक्ति भवन में पड़े हुए हैं, लेकिन वहां ये नहीं लिखा है की इनको काशी में मरना है

50

00:05:22,990 - 00:05:30,797

ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी आत्मा शुद्ध नहीं है, तो मोक्ष प्राप्ति कहाँ से होगी? मोक्ष की प्राप्ति कहाँ से होगी?

51

00:05:33,644 - 00:05:40,694

यहाँ से लेकर फिर लोग जाते हैं कहीं और, पता लगा कि वहां जाकर शरीर छोड़ दिया, तो कशी में लिखा हुआ नहीं था की तुमको मोक्ष मिले

52

00:05:40,907 - 00:05:52,383

interviewer: जिंदा लोग यहाँ पर मोक्ष की प्राप्ति के लिए आते हैं. इस बारे में बताइए कि कितना ज़रूरी है हिन्दू धर्म में मोक्ष की प्राप्ति और लोग चाहते हैं कि अपना आखिरी वक्त वो बनारस में ही बिताएं और यहीं पर बनारस में ही मारें

53

00:05:52,516 - 00:06:02,799

baba:लेकिन सब तो नहीं आ सकते हैं, लोग आते हैं, जो लोग मानते हैं, जो लोग जानते हैं कि काशी में हमें मोक्ष की प्राप्ति होगी

54

00:06:03,850 - 00:06:13,563

तो लोग बाहर-बाहर से चले आते हैं यहाँ, कोई मुक्तिभावन में है, कोई मोक्ष भवन में है, कोई साधू बेला आश्रम में है, तो इसी तरह कई आश्रम बने हुए हैं

55

00:06:14,017 - 00:06:21,090

लोग आते हैं, महीने, पंद्रह दिन, बीस दिन, सोचते हैं कि अब हमारा आखिरी समय है, चलो काशी

56

00:06:22,689 - 00:06:33,459

लेकिन यहाँ अगर लिखा हुआ नहीं है, फिर दो-दो महीने परेशान होकर सोचते हैं कि यहाँ तो लिखा हुआ नहीं है, कहीं और ले चलो इनको, पता लगा कि काशी से उठाकर कहीं और लेकर चले गए, और वहां उन्होंने अपना शरीर छोड़ दिया

57

00:06:34,717 - 00:06:36,657

तो काशी में लिखा भी हुआ होता है

58

00:06:37,100 - 00:06:39,453

interviewer: मन की शुद्धि जिसकी होगी वही बस

59

00:06:39,539 - 00:06:50,299

baba: सबका काशी में नहीं लिखा है, पूरे विश्व को काशी में रख दो, तो जिसका लिखा हुआ रहेगा केवल वही, कशी में रहने वाला आदमी जाकर के विदेश में मरता है

60

00:06:52,413 - 00:06:59,773

क्यों? इसलिए क्योंकि उसका नाम काशी में नहीं लिखा है, मणिकर्णिका तीर्थ स्थल सबके लिए नहीं है

61

00:07:00,754 - 00:07:04,987

बहुत भाग्यशाली लोग होते हैं, उनके लिए मणिकर्णिका, काशी का महाशमशान है

62

00:07:06,947 - 00:07:08,367

interviewer: ये प्रक्रिया क्या होती है

63

00:07:08,395 - 00:07:14,108

baba: ये प्रक्रिया चली आ रही है सदियों से, आदिकाल के समय से

64

00:07:15,093 - 00:07:27,349

जब माता सती का 51 शरीर के अंग, 51 अलग अलग जगहों पर गिरे हुए थे, तो वो सब शक्तिपीठ हैं, जिन्हें बोलते हैं दिशा लाक्षी

65

00:07:28,887 - 00:07:35,587

वो मणिकर्णिका तीर्थस्थल में है, आज वो मेरे घाट हो गया, लेकिन ये पूरा तीर्थ मणिकर्णिका है

66

00:07:36,208 - 00:07:42,601

मेरे घाट से लेकर और यहाँ मणिकर्णिका तक ये पूरा एक क्षेत्र है और ये पूरा ही मणिकर्णिका है

67

00:07:43,111 - 00:07:48,644

तो राजा महाराजाओं ने कुछ से कुछ बना दिया, कोई मेरे घाट बना दिया कोई तीर्थ घाट बना दिया, कोई मान मंदिर बना दिया

68

00:07:49,665 - 00:08:00,498

लेकिन मणिकर्णिका का क्षेत्र जो है, वो सिंधिया घाट, दत्तात्रेय देख रहे हो, मीर घाट ब्राहिम्देवी का मंदिर देख रहे हो, ये पूरा मणिकर्णिका का क्षेत्र है

69

00:08:03,788 - 00:08:17,768

interviewer: बाबा जब हमारी आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है और ये शरीर को छोड़ देती है, तो ये उसके बाद के जीवन का समय कैसा होता है, वो क्या ज़िन्दगी है ?

70

00:08:18,287 - 00:08:27,433

baba: ये तो अपने कर्म बताते हैं, वैसे ये आत्मा कभी मरती नहीं है

71

00:08:29,833 - 00:08:35,037

ये आत्मा कभी नहीं मरती है, एक शरीर को छोड़कर दुसरे शरीर को प्राप्त कर लेती है तुरंत

72

00:08:35,264 - 00:08:36,324

interviewer: कैसे

73

00:08:37,651 - 00:08:43,791

baba: जैसे हमारा शरीर छूटा, तो ये आत्मा जो है दुसरे के शरीर में प्रकट हो जाती है

74

00:08:46,279 - 00:08:58,284

जैसे कोई गर्भवती हो गया उसी समय,तुरंत जन्म ले लिया, भले ही नाम उसका दूसरा रख दो, उससे कोई मतलब नहीं है लेकिन वही शरीर है, सिर्फ नाम अलग है

75

00:08:59,418 - 00:09:07,664

तो आत्मा कभी नहीं मरती है, आत्मा तो एक शरीर को छोडती है तुरंत दुसरे शरीर को पकडती है, तो जो लोग मोक्ष को प्राप्त करते हैं

76

00:09:07,732 - 00:09:11,952

केवल वही एक शरीर हैं जो भगवान् विष्णु के पास चले जाते हैं

77

00:09:14,219 - 00:09:17,025

मोक्ष प्राप्ति जो है सीधे भगवान् विष्णु के यहाँ होती है

78

00:09:17,050 - 00:09:27,370

interviewer: बाबा हमें नार्मल जीवन जो हिन्दू धर्म में सिखाया गया है यो कैसे जीना चाहिए? हम साधू वाले जीवन की बात नहीं कर रहे

79

00:09:28,166 - 00:09:39,730

baba: कोई जरूरी नहीं है, एक साधू जो है, वो कितना ही बढ़िया साधू हो लेकिन जब तक आत्मा से शुद्ध नहीं है वो साधू नहीं है

80

00:09:40,199 - 00:09:41,072

वो स्वादु है

81

00:09:41,956 - 00:09:51,343

तो साधू तुम बन सकते हो कोई जरूरी नहीं है, एक परिवार के अन्दर रहकर के जो गृहस्थी आश्रम होता है, उससे बड़ा कोई आश्रम नहीं है

82

00:09:52,220 - 00:10:03,887

गृहस्थी में रहकर के, सब चीज़ों को देखते हुए, सब कर्मों को देखते हुए,इनका कैसे चलना चाहिए, इनका कैसे चलना चाहिए, सबको अगर देखते हुए चलोगे तो हमेशा जीवन यापन सत्य ही होगा

83

00:10:04,548 - 00:10:06,208

और कर्म हमेशा साफ़ रहेंगे

84

00:10:06,621 - 00:10:07,401

इधर से आ जाओ

85

00:10:10,558 - 00:10:15,478

तो इसके लिए ऐसा जरूरी नहीं है कि भेस बदल लेना है और साधू बन जाना है

86

00:10:17,155 - 00:10:28,176

हम भी गृहस्थ आश्रम में रहते हैं, हम भी गृहस्थ हैं, कोई जरूरी नहीं है कि हम साधू बनकर इधर उधर माया दिखाते फिरें उया हम खाली माया बटोरने के पीछे हों

87

00:10:29,630 - 00:10:33,149

interviewer:साधू बनने का प्रोसेस क्या होता है, कौन बन सकता है साधू

88

00:10:33,174 - 00:10:40,525

baba: साधू को माया, मटेरियल सब त्यागना होता है, घर परिवार सब कुछ त्यागना होता है

89

00:10:41,548 - 00:10:50,275

और त्यागने के बाद जो है, किसी जंगल में चले गए, अपना तप कर रहे हो, किसी से कोई मतलब नहीं है, कोई माया नहीं है

90

00:10:52,586 - 00:11:02,611

तो इसे सब नहीं कर पाते हैं, पहला कोर्स है 12 साल का, जिसको बोलते हैं हट तपस्या

91

00:11:05,064 - 00:11:12,437

हट तपस्वी जो होता है वो पहले 12 साल घोर तपस्या करेगा तब कहीं जा कर के उसे एक आना मिलेगा

92

00:11:15,521 - 00:11:17,241

दूसरा कोर्स है 24 साल

93

00:11:20,461 - 00:11:22,214

तीसरा कोर्स है 42 साल

94

00:11:23,074 - 00:11:24,181

तो कौन करता है ?

95

00:11:26,518 - 00:11:27,871

सतगुरु ऐसे लोग हैं

96

00:11:30,391 - 00:11:36,745

स्वामी शंकराचार्य जी थे, विवेकानंद जी थे, ऐसे ऐसे लोग है जो ये सब करते थे

97

00:11:36,839 - 00:11:43,859

अब जितने साधू हैं सब खाली पैसे के लिए हैं, आते रहो बस

98

00:11:45,176 - 00:11:48,309

सरसा बजा दी, जहाज बजा दिए चलते रहो

99

00:11:50,742 - 00:11:54,812

तो साधू नाम शैतान, बाबा नाम बवाल

100

00:11:57,960 - 00:12:03,253

तो ऐसे कर्मों को नहीं करना चाहिए, अगर साधू बने हो तो साधू वाले विचार भी होने चाहिए

101

00:12:03,293 - 00:12:06,333

interviewer: लेकिन बनते कैसे हैं साधू? उनको अपने खुद के पिंड दान में भी जाना होता है

102

00:12:06,358 - 00:12:15,890

baba:अपने आप को पूर्ण रूप से त्याग देना होता है, वो संस्कार, दसवीं, तेहरवीं सब कर लेते हैं तुरंत, उनका मुंडन होगा

103

00:12:16,815 - 00:12:23,908

और जो उनके गुरु हैं वो उनके कान में बोलते हैं, वो मन्त्र सबको नहीं बताया जाता है, वो मन्त्र सिर्फ वही करेंगे

104

00:12:24,308 - 00:12:33,381

जो गुरु ने ज्ञान दिया है, जो गुरु ने मन्त्र दिया है, वो मन्त्र किसी को बताया नहीं जाता, गुरु का ज्ञान है वो

105

00:12:36,395 - 00:12:40,415

अब कोई एक गुरु करता है, कोई पांच गुरु करता है, कोई ग्यारह गुरु करता है

106

00:12:42,223 - 00:12:48,876

लेकिन गुरु का काम हो तब गुरु बनाया जाता है, अभी तक मैंने किसी को गुरु नहीं बनाया है, मुझे कोई ऐसा मिला ही नहीं

107

00:12:50,933 - 00:12:54,147

अभी भी गुरु हमें खोज रहा है, और हम गुरु को खोज रहे हैं

108

00:12:55,858 - 00:13:00,618

ये जरूरी नहीं है कि हम शरीर से खोज रहे हैं, आँख से खोज रहे हैं, हम यहाँ से खोज रहे हैं

109

00:13:00,695 - 00:13:03,635

interviewer: क्या उम्र है आपकी ?

baba: मेरी, इस समय 55 साल है

110

00:13:03,908 - 00:13:06,308

interviewer: 55 साल से आप अपने गुरु को ढूंढ रहे हैं

111

00:13:06,694 - 00:13:17,039

baba: हम कहाँ नहीं गए, उत्तराखंड, केदारनाथ, बदरीनाथ, अमरनाथ, अमरकंठा, कैलाश और सब जगह घूम चुके हैं, लेकिन अभी तक हमको कोई गुरु नहीं मिला

112

00:13:19,697 - 00:13:21,124

जब मिलेगा तो देखा जाएगा

113

00:13:23,397 - 00:13:30,817

ये है कि गुरु को हम खोज रहे हैं, गुरु हमको खोज रहा है, और कहाँ मिलेंगे कोई नहीं जानता, न मैं जानता हूँ न वो जानते हैं

114

00:13:31,744 - 00:13:33,284

मिले तो हमको बहुत संत

115

00:13:36,477 - 00:13:43,545

मैं सात महीने अट्ठाईस दिन उत्तराखंड में पैदल चलते रहे, पैदल, और इसी भेस में

116

00:13:44,366 - 00:13:49,079

न किसी और कपडें में न कुछ, इसी भेस में जैसे यहाँ हैं इसी तरह

117

00:13:51,243 - 00:13:56,109

शिल्लोंग तक गए हैं, ब्रहमकमल तक गया हूँ मैं

118

00:13:58,467 - 00:14:01,607

उस समय मुझे 5365 साधू मिले

119

00:14:04,114 - 00:14:05,241

मठाधीश लोग

120

00:14:05,601 - 00:14:09,114

लेकिन उनमें से मुझे तीन लोग ही समझ में आए, कि तीन सही हैं बाकी सब बेकार हैं

121

00:14:09,287 - 00:14:11,074

interviewer: कैसे shortlist किया कि ये सही हैं

122

00:14:11,107 - 00:14:14,674

हमने देखा न उन्हें, वार्तालाप करते हुए हम तो बैठते हैं न

123

00:14:16,497 - 00:14:22,483

जहाँ सत्संग चलता है, वहां साधू बैठे हैं, हम भी बैठते हैं बीच में, सुन रहे हैं

124

00:14:23,503 - 00:14:29,530

मैंने किसी से भी पूछ लिया, जो मेरी आत्मा ने कहा वो पूछ लिया और उसका उत्तर मुझे सही नहीं मिला

125

00:14:31,582 - 00:14:42,552

बाद में देखा तो दारु पीकर कहीं लुड़का पड़ा है, कोई भांग खाकर यहाँ पड़ा है और कह रहा है कि तुम हमको कुछ दो, मैं ये मंगाऊंगा, वो मंगाऊंगा

126

00:14:42,973 - 00:14:43,646

तो ये सब क्या है

127

00:14:45,097 - 00:14:51,750

ऐसे-ऐसे लोग हमको मिले, लेकिन तीन संत मुझे मिले जो थोड़े, वो भी पूरे नहीं थोड़े

128

00:14:53,477 - 00:14:58,517

मतलब एक आध पैसे वाले, जो शुरू में बताया था 12 साल वाला बस वही रूप

129

00:14:59,021 - 00:15:09,211

हम तो देखो हमारे सामने एक इंद्रदेव उदासीन था, उत्तरकाशी में विश्वनाथ मंदिर की चौखट पर वो तपस्या कर रहा था 12 साल से

130

00:15:10,005 - 00:15:20,250

12 साल से, सिर्फ एक दिन बाकी था, सिर्फ 12 घंटे और 12 घंटे में उसकी 12 साल की तपस्या भंग हो गई

131

00:15:22,150 - 00:15:24,763

एक लड़की को देखकर मोहित हो गया था वो

132

00:15:26,501 - 00:15:33,281

माया सर पर आ गई उसके, वो जर्मनी की लड़की थी, मोहित हो गया, उससे शादी कर ली

133

00:15:35,481 - 00:15:42,939

एक हफ्ते के बाद वो जर्मनी से अपनी पूरी प्रॉपर्टी बेच कर वापस आई,

134

00:15:42,992 - 00:15:48,259

और जिस समय देखा की उसके सर पे माया का वास आ गया, उसको मारकर एक गठड़ी में बांधकर गंगा जी में फेंक दिया

135

00:15:49,953 - 00:15:51,193

तो ऐसे ऐसे संत हैं

136

00:15:55,266 - 00:16:05,652

हमसे सामना हो गया उसका, जहाँ साधू रहते हैं, जहाँ स्थान लगा दिया वहां धूना होता है और धूना 24 घंटे जलता रहना चाहिए

137

00:16:07,573 - 00:16:11,526

अगर नागा सम्प्रदाय में हो तो 24 घंटे धूना जलता रहना चाहिए

138

00:16:12,099 - 00:16:17,152

हमने देखा धूना जो है ठंडा है, हमने कहा महाराज एक चीज़ बताइए हमको

139

00:16:18,653 - 00:16:27,805

आपकी उम्र करीब 50 62 है कहने लगे हाँ, मैंने कहा आप संत कितने दिन से हैं ? कहने लगे मुझे हो गए 42 साल

140

00:16:28,359 - 00:16:35,346

और 12 साल तपस्या की है, मैंने कहा ठीक है 12 साल से तपस्या की है लेकिन ये आश्रम कितने दिन से आपकी कुटिया है

141

00:16:36,413 - 00:16:42,479

कहने लगे कुटिया को हो गए 22 साल, मैंने कहा ये धूना ठंडा क्यूँ है ?

142

00:16:45,710 - 00:16:52,910

फिर वो लगा ऊपर से नीचे देखने, सोचा होगा कि इसने तो बहुत ऊपर की चीज़ पूछ ली

143

00:16:53,691 - 00:17:02,124

मैंने कहा महाराज, जहाँ से तुम साधू बने हो न, मैंने कहा मैं उस अखाड़े का गुरु हूँ, मैं खडाखड़ा अखाड़े का हूँ

144

00:17:02,550 - 00:17:04,284

खोजो खड़ाखड़ा अखाड़ा कहाँ है

145

00:17:06,217 - 00:17:08,817

खोजो पूरे विश्व में खोज डालो

146

00:17:11,151 - 00:17:12,258

कुछ नहीं मिलेगा

147

00:17:18,831 - 00:17:23,551

और बाद में जब वो परेशान हो गया तो पूछने लगा महाराज ये खड़ाखड़ा अखाड़ा कहाँ है ?

148

00:17:24,385 - 00:17:34,242

हमने कहा ये खड़ाखड़ा अखाड़ा है ये शमशान, हरिश्चंद्र घाट में बैठे थे कि देखो ये घाट है, ये चौबीस घंटे चलता है, ये खड़ाखड़ा अखाड़ा है, अंधे हो तुम

149

00:17:36,382 - 00:17:39,662

तुमने यहाँ की आँख नहीं खोली हैं, बस ये वाली खोल रखी हैं

150

00:17:41,606 - 00:17:43,413

जिससे सिर्फ माया दिखाई देती है

151

00:17:45,819 - 00:17:47,559

सिर्फ illusion दिखाई देता है

152

00:17:49,338 - 00:17:53,811

सत्य नहीं दिखाई देता है, और ये खड़ाखड़ा अखाड़ा है जो चौबीस घंटे चलता है

153

00:17:55,931 - 00:17:57,358

मैं उस अखाड़े का हूँ

154

00:17:58,855 - 00:18:06,021

ऊपर से नीचे मुझे देखने लगा, मैंने कहा जाओ मस्त रहो, जाओ, मांगो, खाओ मज़े करो लेकिन मुझे बेवक़ूफ़ मत बनाना

155

00:18:09,009 - 00:18:14,875

interviewer: बाबा कुछ ऐसे साधू भी होते हैं जो मुर्दे की पूजा करते हैं उनमे और साधू में क्या फर्क है ?

156

00:18:15,006 - 00:18:21,399

baba: अब वो तो अघोरी होते हैं, अघोरी जो होते हैं वो कापालिक होते हैं

157

00:18:22,272 - 00:18:28,105

जो कापालिक होते हैं वो मुर्दों की पूजा करते हैं, उसे जगाते हैं

158

00:18:28,451 - 00:18:28,871

interviewer: क्यों

159

00:18:29,757 - 00:18:34,944

baba: कुछ तंत्र विद्या के लिए, जिसको बोलते हैं मैजिक पॉवर, ब्लैक मैजिक

160

00:18:38,884 - 00:18:45,398

जैसे मैंने तुम्हारा कुछ घिसकर के उनको दे दिया, उनका घिसकर के उनको दे दिया, उनका घिसकर के उनको दे दिया, तो ये सब क्या है ब्लैक मैजिक है

161

00:18:47,146 - 00:18:50,620

ओझा, सोखा, बोझा, बोझ लादने वाला काम

162

00:18:51,766 - 00:18:57,527

तो ये उनका काम होता था लेकिन सब नहीं करते हैं, कोई ऐसा होता है कापालिक कि वो सत्य पर चलता है

163

00:18:58,614 - 00:19:05,374

लेकिन यहाँ तो ज्यादातर असत्य है, सत्य दिखाई नहीं देता है वो बस हावी होता है

164

00:19:06,195 - 00:19:07,181

interviewer: सब ढोंग है ?

165

00:19:09,488 - 00:19:11,375

baba: थे, कीनाराम थे

166

00:19:13,628 - 00:19:15,828

उनकी आखिरी पीढ़ी थी यावदूतराम

167

00:19:17,341 - 00:19:26,023

अगर याव्दूतराम कायदे से चलते तो कीनाराम की २१वी पीढ़ी थी ये अव्दूतराम

168

00:19:26,557 - 00:19:28,737

interviewer: क्या अघोरी किसी को चोट भी पहुंचा सकता है ?

baba: हाँ

169

00:19:31,053 - 00:19:35,506

interviewer: अघोरी का मोटिवे क्या होगा, उद्देश्य क्या होगा किसी को चोट पहुंचाने का ?

170

00:19:35,580 - 00:19:43,139

baba: ऐसा है कि अगर किसी ने उनके साथ ऐसा कोई कर्म किया हो तो वो उसको चोट पहुंचा सकते हैं, वो भी अपनी तंत्र क्रिया से

171

00:19:45,133 - 00:19:46,907

जो वो बोल देंगे वो सब हो जाएगा

172

00:19:49,366 - 00:19:50,820

interviewer: इतनी पावर होती है उनमें

173

00:19:51,106 - 00:19:56,293

baba: लेकिन सब में नहीं,लाखों में शायद एक आद कोई ऐसा हो

174

00:19:57,547 - 00:19:58,707

interviewer: साधुओं से कितने अलग होते हैं वो?

175

00:20:00,033 - 00:20:05,580

साधू से 10 परग अलग रहते हैं ये लोग, 10 परग

176

00:20:08,231 - 00:20:15,968

इसलिए कि अवगुणी तंत्र जो है ये भगवान् शंकर का एक 44वा भाग है

177

00:20:18,175 - 00:20:20,668

जैसे भगवान् शंकर हमेशा शमशान में रहते हैं

178

00:20:23,668 - 00:20:28,762

44वा भाग जो है ये अघोर तंत्र है, वो सब नहीं करते हैं

179

00:20:31,624 - 00:20:36,764

अघोरियों में भी 44 प्रकार के अघोरी होते हैं

180

00:20:38,098 - 00:20:48,093

कोई मशान की क्रिया करता है, कोई कब्रिस्तान में बैठ कर क्रिया करता है, कोई जल में बैठकर क्रिया करता है, सारी क्रियाएं शमशान की ही है

181

00:20:51,072 - 00:20:52,472

तो ये तीन रास्ते हैं

182

00:20:55,159 - 00:21:00,089

चौथा वो जहाँ लोग कब्रिस्तान में गाढ़ते हैं, वहां है

183

00:21:02,803 - 00:21:05,343

तो ये सब शमशान की ही क्रियाएं हैं लेकिन सब अलग-अलग है

184

00:21:06,266 - 00:21:09,933

सबका काम बंटा हुआ है कि तुमको ये करना है, तुमको ये करना है, तुमको ये करना है

185

00:21:09,966 - 00:21:13,286

interviewer: ये अघोरी किनकी पूजा करते हैं ?

186

00:21:14,167 - 00:21:23,834

baba: महाकाल की पूजा करते हैं, काली की पूजा करते हैं, महाकाली की पूजा करते हैं, बस वही है और कुछ नहीं, कंकाल काली की पूजा करते हैं

187

00:21:26,746 - 00:21:39,670

interviewer: बाबा अब ख़त्म करते हैं आप भी थक गए होंगे, लेकिन बस एक सवाल माँ गंगा पर करेंगे और एक छोटा सा जो आप दुनिया को मेसेज देना चाहते हैं|

यहाँ बनारस में क्या relevance है माँ गंगा की और हिन्दू धर्म में क्या मान्यता है ?

188

00:21:40,007 - 00:21:46,314

baba: ये उत्तरायनी गंगा है काशी में, उत्तरायनी गंगा जो है काशी में बहुत महत्व रखती है

189

00:21:47,591 - 00:21:55,001

ये हर जगह नहीं है, तो इसीलिए लोग काशी में आते हैं, उत्तरायनी गंगा में स्नान करने के लिए

190

00:21:55,168 - 00:22:04,422

और भगवान् शंकर के दर्शन करने के लिए,तो इसीलिए लोग काशी में स्नान करते हैं और विश्वनाथ के दर्शन करते हैं, बाबा मृत्युंजयनाथ विराजमान हैं यहाँ पर

191

00:22:05,759 - 00:22:15,572

और काल भैरव काशी के कोतवाल हैं, गंगा के रक्षक और विश्वनाथ के रक्षक, तो सबके दर्शन करने के बाद काल भैरव के दर्शन किए जाते हैं

192

00:22:16,122 - 00:22:18,068

ये काशी का महत्व है

193

00:22:18,561 - 00:22:24,921

interviewer: अगर बाबा हम अपनी नंगी आँखों से देखो तो हमने माँ गंगा को काफी दूषित कर दिया है लेकिन फिर भी लोग आते हैं

194

00:22:25,015 - 00:22:30,735

baba: ये सभी लोग इसे मन की आँख से देखते हैं

195

00:22:32,150 - 00:22:36,704

ये हम लोग मन की आँखों से देखते हैं कि गंगा प्रदूषित है

196

00:22:38,337 - 00:22:41,397

गंगा को गन्दा करने की किसके अंदर पॉवर है ?

197

00:22:44,100 - 00:22:49,187

किसके अन्दर पॉवर है? गंगा चल रही है

198

00:22:51,288 - 00:23:02,725

और जो जल चलता है, वो कभी प्रदूषित नहीं होता है, आज भी गंगा का जल एक शीशी में रख लो और एक शीशी में कहीं और का जल

199

00:23:03,312 - 00:23:09,965

यमुना हो, चाहे मंदाकिनी हो चाहे गोदावरी हो, चाहे कोई और जल रख लो, एक नल में से जल उठाकर के रख लो

200

00:23:10,158 - 00:23:16,612

एक कुँए में से कहीं से भी जल उठाकर रख लो

201

00:23:18,440 - 00:23:22,967

उसमें आपको बैक्टीरिया मिल जाएगा लेकिन गंगा के जल में अभी भी बैक्टीरिया नहीं मिलता है

202

00:23:24,636 - 00:23:31,506

अभी भी गंगा के जल में बैक्टीरिया नहीं मिलता है लेकिन ये है कि मन की आँखों से देखेंगे तो प्रदूषित है

203

00:23:32,932 - 00:23:40,146

यहाँ की आँखों से देखो न, त्रिनेत्र खोलो, तब समझ में आएगा कि गंगा है क्या

204

00:23:42,646 - 00:23:47,126

लोग दुनिया की गन्दगी तो गंगा में साफ़ कर रहे हैं

205

00:23:50,725 - 00:23:56,819

दुनिया की गंदगी तो गंगा में साफ़ हो रही है और गंगा को गन्दा करने वाला कौन पैदा हो गया

206

00:23:56,919 - 00:24:11,676

interviewer:बाबा बस एक आखिरी सवाल कि आपके पास से अगर लोगों को कोई मेसेज देना चाहते हो कि किस तरीके से जिए, या हिन्दू धर्म के बारे में कुछ बोलना चाहते हो क्योंकि आपको पूरी दुनिया सुनेगी तो आपको कोई भी मेसेज देना हो कि किस तरीके से जिए या कुछ करें ?

207

00:24:12,248 - 00:24:21,142

baba:अपना कर्म शुद्ध रखें,हमेशा मस्त रहेंगे , पूरे विश्व में कहीं भी रहेंगे और अगर ये शुद्ध है

208

00:24:22,828 - 00:24:30,401

तो हर जगह विकास ही विकास है, और अगर ये गन्दा है तो आपको कहीं भी स्वच्छ नहीं मिलेगा

209

00:24:32,036 - 00:24:33,276

ये मेरा विचार है

210

00:24:33,750 - 00:24:44,430

मणिकर्णिका महाशमशान में रहते हैं, बर्निंग फॉर फॉर लर्निंग क्रीमेशन फॉर एजुकेशन, here people come to learn a life of education, because this is a spiritual place only one in the world

211

00:24:44,617 - 00:24:47,151

for the Hindu religion, to burn and to die here

212

00:24:50,557 - 00:25:01,107

So when people come here after death they forget all the attachment, all the illusion all the materials, they look for reality needs to get into spirituality of this place

213

00:25:01,132 - 00:25:09,875

when people do meditation here, they know what does it mean by they will get it, what they want. Har Har Mahadev